वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

जनवरी – 2022

(पौष – माघ) रबी खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 जनवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

30

गाय-बैल में चपका रोग होने की संभावना

31

गेहूँ के फसल में निकाई-गुड़ाई का कार्य करें

1

आलू में पछेती अंगमारी रोग लगने के लक्षण दिखायें दे सकते है

2 से 8 जनवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

2

पशुओं को ठंण्ड से बचाए

3

अरहर में फली का बनना और दाने के भरने की स्थिति

4

चना मे फूल आने से पहले की स्थिति में खोटाई (निपिंग) कर सकते है

5

मटर में पाउडरी मिल्ड्यु रोग लगने के लक्षण दिखाई दे सकतें है

6

अवश्यकतानुसार गेहूँ में सिंचाई करें

7

अरहर में फली भेदक कीड़ा का आक्रमण हो सकता है

8

गरमा सब्जियों (कद्दू, खीरा, ककड़ी, तरबूज आदि) के लगाने का उचित समय

9 से 15 जनवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

9

गरमा सब्जियों के बीज को पोलीथीन में मिट्टी एवं खाद भरकर बोएँ।

10

गरमा धान की रोपाई हेतु बीजो का संग्रहण

11

गरमा धान के लिए बिचड़ा उगाने का उचित समय

12

गरमा धान का बिचड़ा तैयार करने के लिए बीजस्थली (नर्सरी) में बीज गिराएँ

13

आलू में पछेती अंगमारी रोग लगने के लक्षण दिखायें दे सकते है

मकर संक्रांति

14

गरमा धान का बिचड़ा तैयार करने के लिए बीजस्थली (नर्सरी) में बीज गिराएँ

15

फूल आने से पहले चना में खोटाई (निपिंग) करें

16 से 22 जनवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

16

सब्जियाँ लगाने के लिए खेत की जुताई कर लें

17

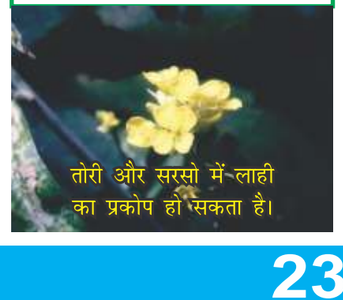

तोरी और सरसो में लाही का प्रकोप हो सकता है।

18

गेहूँ में बोआई के 40-45 दिनों बाद यूरिया का भुरकाव 22 किग्रा प्रति एकड़ की दर से करें

19

गेहूँ मे खर-पतवार नियंत्रण से पौधे की स्थिति मे वृद्धि

20

दलहनी फसलों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई का कार्य करें

21

गरमा सब्जी करने के लिए खेत की जुताई कर लें

22

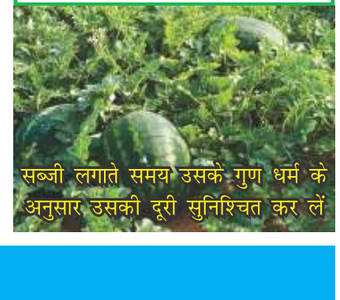

सब्जी लगाते समय उसके गुण धर्म के अनुसार उसकी दूरी सुनिश्चित कर लें

23 से 31 जनवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

23

दलहनी फसलों में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें

24

सब्जियों मे सफेद मक्खी लगने की संभावना

25

गरमा धान के बिचड़े की सही देखभाल करें तथा यूरिया का उपरिवेशन (भुरकाव) करें

गणतंत्र दिवस

26

दलहनी फसलों में फूल आने के बाद खेत में प्रवेश नहीं करें

27

टमाटर और बैंगन में मुर्झा बीमारी होने की आशंका

28

गरमा सब्जी करने के लिए खेत की जुताई कर लें

29

सब्जी लगाते समय उसके गुण धर्म के अनुसार उसकी दूरी सुनिश्चित कर लें

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- फली छेदक कीड़ों के आक्रमण से बचाव के लिए मोनोक्रोटोफास कीटनाशी दवा का छिड़काव 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।
- पछेती आंगमारी रोग के रोकथाम के लिए रीडोमील फफुंदीनाशी 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से दवा का छिड़काव करें।
- पाउडरी मिल्डयू के रोकथाम के लिए कैराथेन 1 मिलीलिटर प्रति लिटर अथवा सल्फेक्स दवा 3 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें।
- चना के पत्तियों को साग के रूप में बेचकर अतिरिक्त आय प्राप्त किया जा सकता है।
- गरमा धान के बीजस्थली (100 वर्ग मीटर) में 1 क्विंटल गोबर का खाद, 2 किलो युरिया 6 किलो सिंगल सुपर फॉस्फेट तथा 2 किलो म्युरिएट ऑफ पोटाश डालें।
- आलू फसल की परिपक्वता देखते हुए 10 दिन पहले हरी पत्तियों को काट लें। इससे आलू का छिलका परिपक्व होता है और आलू अधिक दिनों तक सुरक्षित रहता है।
- मछलियों को पूरक आहार के रूप में धान की भूसी तथा सरसों की खल्ली को मिलाकर 5 किलो प्रति एकड़ प्रतिदिन डालें।
- तापमान में गिरावट से टमाटर, बैंगन, में मुर्झा बीमारी के रोकथाम हेतु 100 मिलीलीटर स्ट्रेप्टोसाइक्लीन दवा बनाकर छिडकाव करें। पत्तियों के मुडने की स्थिति में कुंग फूँ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से व्यवहार करें।

गेहूँ, दाल और हरी सब्जियाँ उपजाएँ। खनिज लवण, प्रोटीन की कमी दूर भगाएँ।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

फरवरी – 2022

(माघ – फाल्गुन) रबी खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 5 फरवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

गरमा धान के लिए खेत तैयार करें

2

गेहूँ में खर-पतवार नियंत्रण करें

3

फल छेदक कीड़ो का आक्रमण की संभावना

4

आगात आलू के खुदाई से 7-10 दिन पहले उसका पता काट कर हटा लें

बसंत पंचमी **5**

बसंत मूंग के लिए खेत की तैयारी करें

7 से 12 फरवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

6

मछली पालन के लिए तालाब में चूना एवं गोबर डाले

7

तोरिया की कटाई

8

गरमा धान रोपने की तैयारी करें

9

गेहूँ में आवश्यकतानुसार सिंचाई करें

10

मसूर, चना और मटर में फल छेदक कीड़े लगने की संभावना

11

आलू में कंद वृद्धि की अवस्था

12

ग्रीष्मकालीन सब्जियों की बुआई एवं रोपाई करे

13 से 19 फरवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

13

मवेशियों में खुरहा रोग होने के लक्षण

14

मंजर (फूल) आने से पहले फल वृक्षों की सिंचाई करें

15

गरमा धान के तैयार बिचड़ों की रोपाई

रविदास जयंती **16**

आलू की फसल के बाद बसंत मूंग की खेती करें

17

तोरिया फसल की कटाई

18

बसंत मूंग के लिए खेत की तैयारी

19

गरमा सब्जियों की बुआई और रोपाई

21 से 27 फरवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

20

आलू में फलन

21

सब्जियों में दीमक का प्रकोप

22

अरहर में फली छेदक कीड़े लगने के आसार

23

गेहूँ में निकोनी करने का समय

24

पशुधन में एन्थ्रेक्स, खुरहा और मुर्गियों में रानीखेत, बकरी में चेचक एवं सुअर में स्वाइन बुखार

25

गरमा सब्जी में ग्रीन कीट लगने के आसार

26

बसंत मूँग के लिए खेत की तैयारी एवं बोआई

28 फरवरी तक खेती में किए जाने वाले कार्य

27

आम एवं लीची पेड़ों के मंजर में कीड़े लगने के आसार

28

बैंगन और टमाटर में मुर्झा रोग लगने के आसार

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- फली छेदक कीड़ों के रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से दवा का छिड़काव करें।
- हरा चना में फल तोड़ने से पहले किसी भी कीटनाशी दवा का छिड़काव न करें।
- सिंचाई की सीमित सुविधा उपलब्ध हो तो बसंत मूंग की खेती करें। तथा अगर सिंचाई असिमित हो तो ग्रीष्मकालीन सब्जियाँ जैसे : फूलगोभी, बंधागोभी, भिन्डी, बैगन, मिर्च, एवं लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, झिंगी, खीरा, कद्दू, ककड़ी, तरबूज इत्यादि की खेती करें।
- गरमा धान के खेत की अंतिम जुताई के समय 18 किलो डी.ए.पी. 11 कलो यूरिया, 14 किलो एम.ओ.पी. प्रति एकड़ की दर से मिट्टी में मिलाना चाहिए।
- गेहूँ के खेतों में अनावृत कण्ड से ग्रसित बालिया दिखाई दे तो तुरंत किसान रोकथाम के लिए रैक्सिल का छिड़काव 1.5 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से करें।
- बसंत मूंग की उन्नत किस्म एस.एम.एल. 668 की बुआई 12 किलो प्रति एकड़ की दर से करें।
- आम, लीची, कटहल में कीटो के रोकथाम के लिए मेटासिस्टॉक्स 25 ई.सी. तरल दवा 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- अरहर में फली छेदक की रोकथाम के लिए इमिडा क्लोरोपिड 0.5 मिलीलीटर या इन्डोक्साकार्ब 0.5 मिलीलीटर या स्पिनोसैड 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर एक पंक्ति छोड़ कर छिड़काव करें।
- छोटे फलदार पौधों, नर्सरी के पौधों एवं नगदी सब्जी वाले फसलों को पोलिथिन, बांस का टाट (उत्तर-पश्चिम या पश्चिम-उत्तर) दिशा में सुबह के वक्त बांधे और दिन में टाटियाँ हटा लें।
- मेमनों में निमोनिया (सी.सी.पी.पी.) एवं पी.पी.आर. बीमारी से बचाव के लिए टीकाकरण करें। आहार में मिनरल मिक्सचर दें।

दलहनी फसलों पर ध्यान दें। बच्चों को प्रोटीन व जमीन को नाइट्रोजन दान दें।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

मार्च – 2022

(फाल्गुन – चैत) रबी खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 5 मार्च तक खेती में किए जाने वाले कार्य

महा शिवरात्रि 1

गरमा धान में ब्लास्ट (झुलसा) बीमारी की संभावना

2

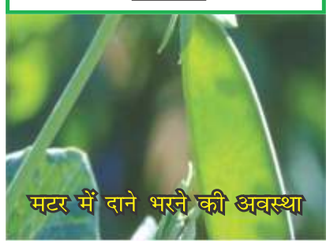

मटर में दाने भरने की अवस्था

3

मटर में चूर्णिल आसित एवं फल छेदक की सम्भावना

4

अरहर में फली छेदक कीट लगने की सम्भावना

5

गेहूँ में लूज स्मट या अनावृत कण्ड रोग लगने की सम्भावना

6 से 12 मार्च तक खेती में किए जाने वाले कार्य

6

सरसों की फसल परिपक्वता की अवस्था में

7

आवश्यकतानुसार हल्की सिंचाई

8

आम, लीची, कटहल में मंजर एवं फूल लगना

9

पशुधन में एंथ्रेक्स, खुर–मुँह पका या खुरहा या भजहा या अलवा (FMD)

10

जानवरों को चारा पूर्ति हेतू फसल के अवशिष्टों को संरक्षित करें

11

तोरी / सरसों कटाई

12

गेहूँ में आर्मी कीटों का प्रकोप

13 से 19 मार्च तक खेती में किए जाने वाले कार्य

13

गरमा धान में युरिया का भुरकाव

14

चना परिपक्व होने की अवस्था में

15

चना कटाई कार्य

16

सरसों परिपक्व होने की अवस्था में

होलिका दहन 17

गरमा धान का खर–पतवार नियंत्रण

होली 18

मछली के लिए पुरक आहार धान की भूसी एवं सरसों की खल्ली तालाब में डालें

19

बैगन एवं भिण्डी में छेदक कीटों का प्रभाव

20 से 26 मार्च तक खेती में किए जाने वाले कार्य

20

फूलगोभी एवं बंधागोभी में पतंगा कीट का प्रभाव

21

गरमा धान में खर–पतवार नियंत्रण

22

आम में लीफ गाल एवं दहीया कीट का प्रभाव

23

बैगन एवं भिंडी में छेदक कीटों का प्रभाव

24

फूलगोभी एवं बंधागोभी में पतंगा कीट का प्रभाव

25

गेहूँ कटाई कार्य

26

गेहूँ का सूखाना, थ्रेसिंग, भण्डारण

27 से 31 मार्च तक खेती में किए जाने वाले कार्य

27

गेहूँ सूखाना

28

गेहूँ भण्डारण

29

सरसों कटाई

30

अरहर फसल की कटाई, सूखाना एवं भण्डारण

31

गरमा सब्जियों में कीट नियंत्रण

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- गरमा धान में ब्लास्ट से बचाव हेतू कारबेंडाजिम 50 डब्लू.पी. या ट्राइसाइक्लाजोल (बीम) 2 ग्राम दवा का छिडकाव प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर करें।
- अगर गेहूँ में लुज स्मट (अनावृत कण्ड) दिखाई पड़े तो उन्हें पोलिथिन के थैले से ढककर तोड़ लें तथा उन्हें जलाकर किसी गड्ढ़े में दबाकर नष्ट कर दें। साथ ही यह ध्यान रखें की रोगी बालियों को काटते समय उसका चुर्ण नीचे जमीन पर नहीं गिरे।
- गरमा धान में निकाई-गुड़ाई के बाद 30 किलो यूरिया प्रति एकड़ के दर से भुरकाव करें। भुरकाव के समय ध्यान रखें कि खेतों में हल्का पानी रहे।
- भिण्डी के फसल में तना एवं फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीडों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हाल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर के बाद करें।
- रबी फसल काटने के बाद मूंग की बोआई से पहले बीज को राइजोबियम कल्चर से अवश्य उपचारित करें।

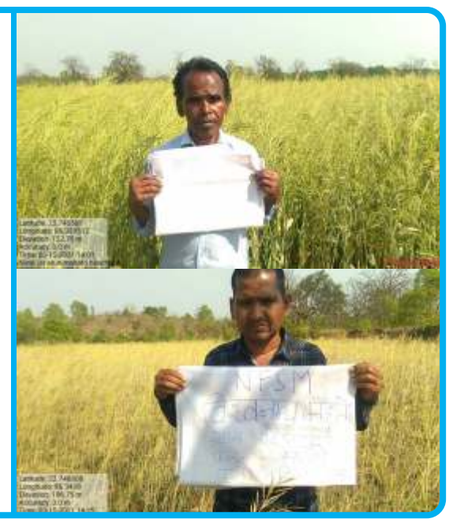

तीसी, मसुर और तोरई के साथ राई का हाथ। तेल, दाल, सब्जी के संग रोटी, समृद्धि का साथ।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

अप्रैल – 2022

(चैत – बैसाख) जैद (गरमा) खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 2 अप्रैल तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

गरमा धान में कल्ले निकलने की अवस्था

2

गरमा धान में गाभा स्थिति में यूरिया का भुरकाव

3 से 9 अप्रैल तक खेती में किए जाने वाले कार्य

3

गरमा सब्जी में लत्तर वृद्धि

4

पालतू मवेशी की देखभाल

5

आम में ऐन्थ्रेकनोज एवं चुर्णील फफूँदी होने की सम्भावना

6

गरमा मूंग की बुआई

7

गेहूँ संचय हेतू बीजों को अच्छी तरह धूप में सुखाना

8

लत्तर वाली सब्जियों में लाल भृंग कीडों का आक्रमण की संभावना

9

गरमा मूंग में मिट्टी चढ़ाना

10 से 16 अप्रैल तक खेती में किए जाने वाले कार्य

राम नवमी 10

गरमा धान में गाभा की अवस्था

11

सब्जियों में कीट से बचाव के लिए दवा का छिड़काव

12

गरमा सब्जी में लत्तर वृद्धि

13

गरमा सब्जी में फूल होने की अवस्था

अम्बेडकर जयंती 14

आम, लीची, कटहल में टीकोले / छोटे फलों की अवस्था

15

आम, लीची, कटहल में टीकोलो पर दवा का छिड़काव

16

गरमा मूंग की बोआई का अंतिम समय

17 से 23 अप्रैल तक खेती में किए जाने वाले कार्य

17

सब्जियों में कीट से बचाव के लिए दवा का छिड़काव

18

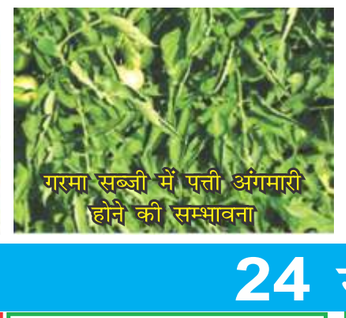

गरमा सब्जी में पत्ती अंगमारी होने की सम्भावना

19

गरमा सब्जी में फूल होने की अवस्था

20

आम, लीची, कटहल में टीकोले / छोटे फलों की अवस्था

21

आम, लीची, कटहल में टीकोलो पर दवा का छिड़काव

22

गरमा मूंग में मिट्टी चढ़ाना

23

वानिकी पौधशाला में पोलिथिन की थैलियों में युकेलिप्टस, खैर, बेल, सेमल, बेर इत्यादि बीजों की बुआई

24 से 30 अप्रैल तक खेती में किए जाने वाले कार्य

24

वानिकी पौधशाला में पोलिथिन की थैलियों में युकेलिप्टस, खैर, बेल, सेमल, बेर इत्यादि बीजों की बुआई

25

गरमा मूंग में निकाई-गुडाई आवश्यकता अनुसार सिंचाई

26

अदरक बुआई के लिए खेत की तैयारी

27

हल्दी एवं अदरख का बीज प्रबंध करना

28

गरमा धान के खेतो में जल जमाव के लिए मेढ़ दुरुस्त रखे

29

सब्जियों में निकाई-गुड़ाई एवं सिंचाई

30

गरमा सब्जियों में यूरिया का भुरकाव

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- गरमा धान में केसवार्म, पत्रलपेटक या हिस्पा एवं ब्राऊन प्लांट हॉपर का आंशिक प्रकोप होने पर बचाव के लिए मोनोक्रोटोफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- गरमा धान में गाभा की अवस्था में रहने पर भी यूरिया 30 किलो प्रति एकड़ के हिसाब से भुरकाव कर सकते हैं।
- तापमान में बढ़ोतरी से पालतू मवेशियों में लू लगने की संभावना बढ़ जाती है। अतः मवेशियों को बाहर ज्यादा देर तक खुला न छोड़े। जरूरत पड़ने पर पशुचिकित्सक से सलाह अवश्य लें।
- आम एवं लीची के छोटे-छोटे फलों को पाउडरी मिल्डयु रोग से बचाने के लिए सल्फेक्स (2 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों में लाल भृंग कीडों के आक्रमण से पत्तियाँ बुरी तरह प्रभावित हो जाती है। इससे बचाव के लिए नीम से बना कीटनाशी जैसे अचूक / नीमेरिन / नीमेटिन / नीमेसीडिन इत्यादि में से किसी एक दवा का छिड़काव 5 मिलीलीटर प्रतिलीटर पानी की दर से 10 दिन के अंतराल पर करें।
- अगर मिट्टी में पर्याप्त नमी मौजूद हो तो हरी खाद वाली फसल जैसे धैंचा, सनई आदि की बुआई कर दें और इस फसल को खरीफ फसल की बुआई अथवा रोपाई से 10-15 दिन पहले जोताई कर पलट दें तथा खेत नमी / पानी बनाए रखें ताकि भली-भाँति सड़ जाए।
- बैंगन एवं भिण्डी के फसल में फल छेदक कीड़ों एवं फूलगोभी एवं बंधागोभी के फसल में गोभी का पतंगा कीड़ों से बचाव के लिए जैविक कीटनाशी (हॉल्ट / डेल्फिन / बायोलेप) दवा का छिड़काव 1.5 ग्राम प्रति लीटर पानी की दर से दोपहर के बाद करें।

मिट्टी जाँच कर फसलों का चयन करें। नाईट्रोजन, पोटाश, कैल्शियम के संग जानकारी अन्य खनिज लवण करें।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

मई – 2022

(बैसाख - जेठ) जैद (गरमा) खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 मई से 7 मई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

मजदूर दिवस 1

गरमा धान खेतों में जल जमाव के लिए मेढ़ दुरूस्त रखें

2

गरमा मूंग में निकाई-गुड़ाई

बुद्ध पूर्णिमा 3

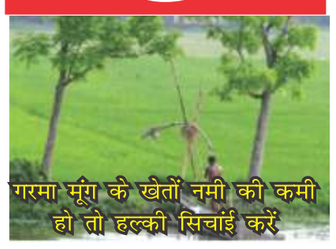
गरमा मूंग के खेतों नमी की कमी हो तो हल्की सिचांई करें

4

लत्तेदार सब्जियों में लाल मकड़ी का आक्रमण की संभावना

5

आम एवं लीची के पेडों में नियमित रूप से सिंचाई

6

पपीता का पौधा तैयार करना

7

मवेशियों को धूप से बचाएँ

2 से 8 मई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

8

गरमा धान में पत्र लपेटक तथा तना छेदक कीडों के आक्रमण की संभवना

9

बसंत मूंग की फली की तोड़ाई

10

गरमा धान फूलावस्था से लेकर दुधावस्था में

11

सब्जियों में कीट से बचाव हेतू दवा का छिड़काव

12

गरमा मूंग परिपक्व होने की अवस्था में

13

टाँड जमीन में हल्दी, अदरख एवं ओल की खेती का समय

14

फलदार वृक्ष में नियमित सिंचाई

15 से 21 मई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

15

फलदार वृक्ष के थल्लों में पलवार (मल्चिंग)

बुद्ध पूर्णिमा 16

मवेशियों की देखभाल

17

गरमा सब्जी फली बनने से लेकर परिपक्व होने की अवस्था में

18

गरमा मूंग फूलावस्था से लेकर फली बनने की अवस्था में

19

हल्दी एवं अदरख की बुआई की तैयारी

20

हल्दी एवं अदरख का बीज उपचार

21

रोपी गई गरमा धान में दाना भरने की अवस्था

22 से 28 मई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

22

गरमा धान के लिए जल जमाव बनाए रखें

23

नए फलदार वृक्ष लगाने के लिए गड्ढ़ा खोदें

24

खरीफ धान रोपाई पूर्व हरी खाद

25

आम एवं लीची में सिंचाई

26

पालतू मवेशियों की देखभाल

27

मिट्टी नमुना लेने का उपयुक्त समय

28

मिट्टी नमुना लेने का उपयुक्त समय

29 से 31 मई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

29

उपरी जमीन के खेत की जुताई

30

उपरी जमीन के खेत की जुताई

31

उपरी जमीन के खेत की जुताई

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- मौनसून पूर्व वर्षा का लाभ उठाने के लिए किसान भाई अदरख, हल्दी, ओल इत्यादि की बुआई करें।
- कहीं-कहीं लत्तेदार सब्जियों में लाल मकड़ी (बरूथी या माइटस) के कारण पत्ते सूख जाते हैं। इससे बचाव के लिए बरूथी नाशी कीटनाशी दवा डाइकोफाल (3 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) अथवा ओमाइटस या मैजिस्टर (2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव इसके आक्रमण होते ही एक सप्ताह के अंतराल पर आवश्यकता अनुसार 2-3 बार शाम के समय ही करें।
- जिन खेतों में दीमक का प्रकोप बहुत ज्यादा है उन खेतों में पौधे के सूखने का कारण दीमक भी हो सकता है। दीमक को नियंत्रित करने के लिए क्लोरपाइरीफास तरल कीटनाशी (4 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से) दवा का छिड़काव पौधों के जड़ के आस-पास मिट्टी को पूर्णतया भींगोते हुए करें।
- तना की मक्खी के कारण भी लत्तेदार सब्जियों के पौधे सूखने लगते हैं इसकी रोकथाम के लिए ट्राइजोफास या मेटासिसटाक्स दवा (2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी दर से) दवा का छिड़काव करें। आवश्यकता अनुसार दूसरा छिड़काव 10 दिन के अंतराल पर करें।
- जिन किसानों को पपीता का पौधा तैयार करना हो वे इस समय पोलिथिन के थैले में मिट्टी तथा गोबर की सड़ी खाद मिलाकर भर दे तथा बीज डालने के बाद आवश्यकता अनुसार सिंचाई करते रहें।
- गरमा मूंग के फूलावस्था निकाई-गुड़ाई न करें। हल्की सिंचाई करें। यदि फूल गिर रहे हैं तो एसीटामीप्रिट 20 प्रतिशत एस.पी. 0.5 ग्राम या ट्राइजाफॉस या प्रोफेनफॉस 1 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी की दर से शाम के वक्त छिड़काव करें।
- हल्दी एवं अदरक लगाने के लिए अगर मिट्टी में नमी की कमी हो तो एक हल्की सिंचाई के बाद ही बुआई करें। बीज को बोने के बाद खेत को पुआल, पत्तियों से ढक दें।

हल चलाकर मिट्टी हल्की करें, जैविक खाद मिलाएँ। बैंगन, मिर्च, फ्रेंचबीन, भिण्डी की फसल लगाएँ।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

जुन - 2022

(जेठ - अषाढ़) जैद (गरमा) खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 4 जुन तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1	2	3	4
खरीफ फसलों का चयन	खरीफ फसलों के लिए खेत की तैयारी	फसल अनुसार उत्तम बीज, उर्वरक एवं खाद का प्रबंधन	ऊपरी खेतों (टाँड) की जुताई

5 से 11 जुन तक खेती में किए जाने वाले कार्य

5	6	7	8	9	10	11
मिट्टी में पर्याप्त नमी पर मध्यम एवं निचली खेतों की जुताई	बरसाती सब्जियाँ भिण्डी, बोदी, फ्रेंचबीन के लिए खेत की तैयारी	गरमा धान की कटाई	खेतो के मेढ़ दुरूस्त करें	गरमा धान की थ्रेसिंग एवं भण्डारण	खेत की जुताई ढाल के विपरीत दिशा में	खेत की जुताई ढाल के विपरीत दिशा में

12 से 18 जुन तक खेती में किए जाने वाले कार्य

12	13	14	15	16	17	18
गरमा मूंग के फली की तोड़ाई	धान का बिछड़ा तैयार करना	धान का बिछड़ा तैयार करना	मकई की बुआई की तैयारी	अरहर की बुआई की तैयारी	मूँगफली, उड़द की बुआई की तैयारी	धान एवं मडुआ का बिचड़ा तैयार करना

19 से 25 जुन तक खेती में किए जाने वाले कार्य

19	20	21	22	23	24	25
बोई या रोपी गई सब्जियों के खेत से जल निकास की व्यवस्था	दरख्त वाले पौधे जैसे शीशम, सागवान, गामहार के लिए गड्ढे तैयार करना	अरहर, मकई, उड़द, मूँगफली की बुआई की तैयारी	दलहनी फसल की बुआई से पहले बीजोपचार	दलहनी फसल की बुआई से पहले बीजोपचार	धान के बिछड़ा के लिए नर्सरी (3-4 दिनों के अंतराल में बोयें)	धान, मकई, उड़द, मूँगफली की बुआई

26 से 30 जुन तक खेती में किए जाने वाले कार्य

26	27	28	29	30	
अगात प्रभेद वाली बीज को प्राथमिकता	धान, मकई, उड़द, मूँगफली की बुआई	धान, मकई, उड़द, मूँगफली की बुआई	धान के बिछड़ा के लिए नर्सरी (3-4 दिनों के अंतराल में बोयें)	धान, मकई, उड़द, मूँगफली की बुआई	

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- धान का बिचड़ा तैयार करने के लिए बीज को बीजस्थली (नर्सरी) में 5-5 दिनों के अंतराल पर क्रमशः तीन-चार किस्तों में बोएँ जिससे कि रोपा के समय, वर्षा की स्थिति के उपयुक्त बिचड़ा उपलब्ध हो सके।
- मिट्टी में उपयुक्त नमी रहने पर किसान अपने खेत की जुताई ढाल के विपरित दिशा में करें तथा पाटा नहीं चलाएँ साथ ही साथ खेत के मेढ़ो को दुरूस्त कर लें ताकि अधिक से अधिक वर्षा जल का जमाव खेतों में ही हो सके। विशेष कर ऊपरी खेतों (टाँड) को प्राथमिकता देते हुए जोत कर तैयार रखें ताकि मौनसूनी वर्षा प्रारंभ होते ही ऊपरी जमीन में विभिन्न फसलों की बुआई जल्द से जल्द सही समय पर की जा सके।
- जो किसान खेतों में देशी खाद का व्यवहार करना चाहते हो और उनके खेत जुते हुए हो तो खाद को पूरे खेत में बिखेर कर मिट्टी में मिला दें ताकि मौसमी वर्षा शुरू होते ही ऊपरी भूमि में विभिन्न फसलों की बुआई के लिए खेत तैयार करें। जो किसान देशी खाद का अपने खेत बिखेर चुके है, वे खेत को जोतकर इसे मिट्टी में अच्छी मिला दें।
- मिट्टी में उपयुक्त नमी मौजूद रहने पर किसान मध्यम एवं निचली खेत की जुताई मिट्टी पलटने वाले हल से कर दें तथा पाटा नहीं चलाएँ एवं खेत के मेढ़ को दुरूस्त कर लें मिट्टी को खुला छोड़ देने से इसमें मौजूद खर-पतवार तथा कीड़े मकोड़े नष्ट हो जाएंगे। साथ ही साथ खेत में नमी संरक्षण भी हो सकेगा।
- जिन खेतों में दीमक का प्रकोप ज्यादा हो वैसे खेतो में बीज बोने से पहले क्लोरपाइरीफास 20 ई.सी. तरल दवा के साथ (8-10 मिलीलीटर प्रति किली बीज की दर से) उपचारित कर लें।
- दलहनी फसल की बुआई से पहले बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित कर लें।
- अंतर्वतीय खेती करने के लिए निम्न अनुशंसित फसलों को अपनाएँ अरहर + मुँगफली / धान / उड़द तथा मकई की खेती
  - ☞ अरहर + मूँगफली / धान / उड़द - दो पंक्ति अरहर (75 सेमी पंक्ति से पंक्ति तथा 20-25 सेमी पौधा से पौधा की दूर पर) के बीच दो पंक्ति मूँगफली अथवा उड़द अथवा धान लगाएँ।
  - ☞ अरहर + मकई - एक पंक्ति अरहर तथा एक पंक्ति मकई (75 सेमी पंक्ति से पंक्ति की दूरी पर) लगाएँ।

खरीफ धान के लिए हल चलाकर खेत को तैयार करें। अल्प समय के लिए दाल लगाकर नाइट्रोजन की कमी का व्यवहार करें।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

जुलाई – 2022

(अषाढ़ – सावन) खरीफ खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 2 जुलाई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

31

30 दिन बोये गये मकई में मिट्टी चढ़ाना एवं यूरिया का भुरकाव

1

टाँड़ खेत में धान, मकई, अरहर, उड़द, मूंगफली की अनुशंसित विधि से बुआई

2

धान के बिछड़ा के लिए नर्सरी (3–4 दिनों के अंतराल में बोयें)

3 से 9 जुलाई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

3

मध्यम एवं निचली खेत की जोताई

4

खेत के मेढ़ को दुरूस्त करना

5

बीजस्थली को जमीन के सतह से ऊपर बनाएँ

6

धान के फसल को छोड़कर अन्य फसलों के खेतों में जल निकास के लिए नालियाँ

7

धान के फसल को छोड़कर अन्य फसलों के खेतों में जल निकास के लिए नालियाँ

8

सब्जियों (टमाटर, गोभी, बैगन, मिर्च आदि) के बिचड़े तैयार करना

9

30 दिन बोये गये मकई में मिट्टी चढ़ाना एवं युरिया का भुरकाव

10 से 16 जुलाई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

बकरीद **10**

बोए गए धान में रस चुसने वाले कीट के आक्रमण की संभावना

11

कादो लायक पर्याप्त पानी होने पर धान का रोपा कार्य आरम्भ

12

कादो लायक पर्याप्त पानी होने पर धान का रोपा कार्य आरम्भ

गुरू पूर्णिमा **13**

कादो करते समय खाद एवं उर्वरक का प्रयोग

14

अरहर, उड़द, मूंगफली का निकाई–गुड़ाई कार्य

15

विभिन्न फसलों में बुआई के 30 दिनों बाद आवश्यकता अनुसार यूरिया का भुरकाव

16

मकई में धड़ छेदक कीट से बचाने के लिए गाभा में दानेदार कीटनाशी का प्रयोग

17 से 23 जुलाई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

17

खेतों में मेढ़बन्दी कर मडुआ का रोपा

18

मध्यम एवं निचली जमीन में वर्षा जल संग्रह

19

सब्जियों में मौसम देखते हुए दवा का छिड़काव

20

श्री विधि से धान लगाने के लिए खेत की तैयारी

21

श्री विधि से धान की रोपाई

22

लम्बी एवं मध्यम अवधि वाले धान की रोपाई

23

लम्बी एवं मध्यम अवधि वाले धान की रोपाई

24 से 31 जुनाई तक खेती में किए जाने वाले कार्य

24

लम्बी एवं मध्यम अवधि वाले धान की रोपाई

25

बरसाती सब्जियाँ शाकीय वृद्धि अवस्था में

26

खड़ी सब्जियों में कीट से बचाव हेतु छिड़काव

27

हल्दी, अदरख, ओल शाकीय वृद्धि अवस्था में

28

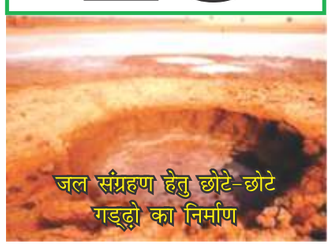

जल संग्रहण हेतु छोटे-छोटे गड्ढ़ो का निर्माण

29

टाँड़ जमीन में नमी को देखते हुए निकाई–गुड़ाई

30

टाँड़ जमीन में धान की फसल में यूरिया का भुरकाव

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- मकई के मध्यम अवधि किस्म का चुनाव हरा मकई (भुट्टा) के लिए करें तथा अल्पावधि किस्म का चुनाव अनाज के लिए करें।
- मकई फसल में खर-पतवार नियंत्रित रखने के लिए बोआई के 2 से 3 दिन के बाद खर-पतवार नाशी दवा अट्राजीन का छिड़काव 4 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से करें।
- धान के खेत में कादो (लेवा) करते समय 25 किलोग्राम यूरिया, 32 किलोग्राम डी०ए०पी० तथा 20 किलोग्राम म्यूरिट ऑफ पोटाश प्रति एकड़ की दर से करें।
- धान में रस चुसने वाले कीड़े को नियंत्रित रखने के लिए क्वीनालफॉस 1.5 प्रतिशत धूल का भुरकाव 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से करें।
- धान बोने से पहले ट्राइसाइक्लाजोल 2 ग्राम प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें।
- बीजस्थली (नर्सरी) से बिचड़े को उखाड़ने से पहले (नर्सरी में) जल जमाव बना लेना चाहिए, जिससे बिचड़ा उखाड़ने में सहुलियत होगी तथा जड़ नहीं टूटेगा।
- मकई के फसल में बोआई के 15 से 20 दिनों बाद धड़ छेदक कीट से बचाव के लिए दानेदार कीटनाशी फ्युराडान दवा का 8 से 10 दाना प्रति गाभा में डालें।
- भूरी चित्ती से बचाव हेतु बैविस्टीन 50 डब्ल्यू० पी० का 1 ग्राम या बीम (ट्राइसाइक्लाजोल) का 6 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल कर बनाकर छिड़काव करें।

बारिश के आने की बारी, धान खेत की करो तैयारी। धैंचा दलहन डालो, हरा खाद, खेत में पा लो।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

अगस्त – 2022

(सावन – भादो) खरीफ खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 6 अगस्त तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

ऊपरी जमीन में बोआई गई विभिन्न फसलों में खर–पतवार नियंत्रण

2

मकई, अरहर, उड़द, मूंगफली में निकाई–गुड़ाई एवं आवश्यकता अनुसार यूरिया का भुरकाव

3

मकई, अरहर, उड़द, मूंगफली में आवश्यकता अनुसार कीटनाशी दवा का प्रयोग / रोपे गये सब्जियों में यूरिया का भुरकाव

4

श्री विधि धान का रोपा में खर–पतवार नियंत्रण

5

श्री विधि में कोनोवीडर का उपयोग

6

मड़ुआ में खर–पतवार नियंत्रण/यूरिया का भुरकाव

7 से 13 अगस्त तक खेती में किए जाने वाले कार्य

7

कम अवधि वाले धान में कल्ले निकलने की अवस्था में

8

सब्जियों में इल्लियों का आक्रमण

9

दलहन एवं तेलहन फसलों में पानी की निकासी के लिए नाली का निर्माण

10

मकई में तना छेदक कीटों का प्रकोप

रक्षा बंधन **11**

20–25 से दिन पहले रोपे गये धान में खर–पतवार नियंत्रण/ यूरिया का भुरकाव

12

धान में कीट नियंत्रण

13

धान में दीमक, गॉल मीज, केसवार्म, ब्लास्ट नियंत्रण

14 से 20 अगस्त तक खेती में किए जाने वाले कार्य

14

धान में दीमक, गॉल मीज, केसवार्म, ब्लास्ट नियंत्रण

स्वतंत्रता दिवस **15**

हरा चारा (मकई, लोबिया) की बोआई

16

20–25 दिनों पहले रोपे गये धान में खर–पतवार नियंत्रण/ यूरिया का भुरकाव

17

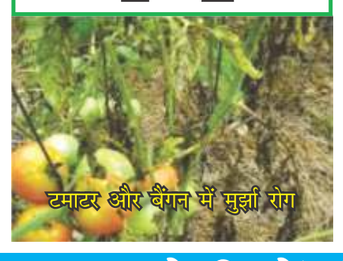

टमाटर और बैंगन में मुर्झा रोग

18

पशुओं में खुरहा एवं चपका रोग से बचाव

जन्माष्टमी **19**

टाँड़ धान में कल्ले/गाभा अवस्था

20

धान में कीट नियंत्रण

21 से 27 अगस्त तक खेती में किए जाने वाले कार्य

21

बरसाती लत्तर वाली सब्जियों में एन्थ्रेकनोज की संभावना

22

मक्का में पत्ता खाने एवं चूसने वाले कीट

23

कृषि कार्य में उपयोग बैल को सांद्रित एवं ऊर्जा स्त्रोत वाले भोजन दें

24

धान में कीट नियंत्रण

25

खाली रह गये खेतों में कुलथी या सरगुजा की बोआई

26

सब्जी में निकाई–गुड़ाई, आवश्यकतानुसार यूरिया का भुर

27

सब्जी में निकाई–गुड़ाई, आवश्यकतानुसार यूरिया का भुर

28 से 31 अगस्त तक खेती में किए जाने वाले कार्य

28

उड़द, मूंग, मूंगफली में भुआ पिल्लु का आक्रमण

29

मध्यम एवं निचली जमीन में धान में यूरिया का भुरकाव

30

आगत आलू एवं हरा मटर के लिए खेत की तैयारी

गणेश चतुर्थी **31**

आगत आलू एवं हरा मटर के लिए खेत की तैयारी

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- खेत खाली रहने पर धान के बदले दलहन एवं तिलहन फसल की खेती करें।
- सब्जियों में इल्लियों से बचाव हेतु कूँग फू या कराटे 2 मिलीलीटर प्रति लीटर पानी के दर से घोल का प्रयोग करें साथ ही साथ निकाई-गुड़ाई करें।
- धान में टरमाइट के नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफॉस 2 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोलकर छिड़काव करें।
- धान में गॉल मीज के नियंत्रण के लिए फोरेट 10 जी 3 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से प्रयोग करें।
- धान में केसवार्म तथा स्टेम बोरर के नियंत्रण के लिए क्विनालफॉस 1.5 मि०ली० प्रति लीटर पानी के साथ छिड़काव करें।
- धान में ब्लास्ट के नियंत्रण के लिए ट्राइसाइक्लाजोल 6 ग्राम प्रति लीटर पानी के साथ घोल बनाकर छिड़काव करें।
- टमाटर और बैंगन में मुर्झा रोग के उपचार के लिए ब्लाइटॉक्स 50, 3 ग्राम प्रति 1 लीटर पानी में घोल कर छिड़काव करें।

धान फसल में श्री विधि अपनाएँ। कम खर्च में ज्यादा उपज पायें।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

सितम्बर – 2022

(भादो – अश्विन) खरीफ खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 3 सितम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

लम्बी एवं मध्यम अवधि वाले धान के कल्ले निकलने की अवस्था

2

कम अवधि धान में बालियाँ निकलने की अवस्था

3

कुलथी एवं सरगुजा की बुआई

4 से 10 सितम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

4

रोपा धान में कीट नियंत्रण

5

दलहन (उड़द/मूँग) एवं तेलहन (मूँगफली) में भूआ पिल्लू का प्रकोप

6

कुलथी एवं सरगुजा की बुआई

7

ऊपरी जमीन में धान में गंधी बग कीट के आक्रमण की संभावना

8

रोपा धान में तना छेदक कीड़ों का आक्रमण

9

आगत आलू की खेत की तैयारी एवं बुआई

10

धान में खर-पतवार नियंत्रण

11 से 17 सितम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

11

धान में यूरिया का भुरकाव

12

मूँग एवं उड़द की फसल में फूल बनने से पहले निकाई-गुड़ाई

13

मूँग एवं उड़द की फसल में फूल बनने से पहले निकाई-गुड़ाई

14

मकई के भुट्टे में दाने

15

मकई के दाने को पक्षी से बचाएँ

16

फूलगोभी, बंधागोभी, मिर्च, टमाटर के लिए बीजस्थली

विश्वकर्मा पूजा **17**

मकई में हरे भुट्टे की तोड़ाई

18 से 24 सितम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

18

बरसाती लत्तर वाली सब्जियों में एन्थ्रैकनोज की संभावना

19

बैंगन, फूलगोभी, बंधागोभी के बिचड़े का समय

20

मध्यम एवं निचली जमीन के धान में द्वितीय यूरिया का टाप ड्रेसिंग

21

आगत आलू की खेत की तैयारी एवं बुआई

22

तोरिया के लिए खेत की तैयारी एवं बुआई

23

असिंचित गेहूँ की खेती के लिए खेत तैयार

24

गेहूँ / तोरिया के लिए अनुशंसित बीज/उर्वरक का प्रबंध

25 से 30 सितम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

25

धान के पुष्पावस्था/दुग्धावस्था में गंधी बग की संभावना

26

अरहर के फसल में पत्र लपेटक कीड़ों की संभावना

27

फूलगोभी / बंधागोभी में दवा का छिड़काव

28

मकई में हरे भुट्टे की तोड़ाई

29

समय पर लगाए अरहर में निकाई-गुड़ाई

30

अधिकांशतः दलहनी फसल पक कर तैयार

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- वर्षा के बाद मौसम खुलने पर कीटों की संख्या में वृद्धि (मिलीबग, ग्रास हॉपर) सुनिश्चित् है। अतः मोनोसिल या मोनोक्रोटोफॉस 36 ई. सी. का 600 मि०ली० का 200 लीटर पानी में घोल कर प्रति एकड़ खेत में दो बार छिड़काव करें।
- दलहन एवं तेलहन फसल में भुआ पिल्लू के प्रारम्भिक अवस्था में डायक्लोरमॉस 0.5 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर शाम के वक्त छिड़काव करें।
- मूँगफली में लीफ माइनर के प्रकोप को कम करने के लिए ट्राइजोफॉस 40 ई. सी. का 1 मि०ली० प्रति लीटर पानी के दर से दो बार 15 दिनों के अंतराल पर करें।
- धान में तना छेदक के आक्रमण से पत्तियाँ एवं तना सूखने लगता है। ऐसी स्थिति में मोनोक्रोटोफॉस 36 ई. सी. का 1-2 मि०ली० प्रति लीटर पानी के दर से छिड़काव करें।
- गंधी बग कीट से नियंत्रण के लिए क्लोरपाइरीफॉस धूल या क्वीनॉलफॉस धूल या मिथाइल पाराथियन धूल का भुरकाव 10 किलोग्राम प्रति एकड़ की दर से साफ मौसम में करें।
- फूलगोभी / बंधगोभी में विभिन्न कीड़ों से बचाव के लिए डेल्फिन दवा का छिड़काव 1 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से करें।

जल प्रबंधन का ज्ञान फैलायें। उचित मात्रा में खाद देकर उपज बढ़ाएँ।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

अक्टूबर – 2022

(अश्विन – कार्तिक) खरीफ खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 अक्टूबर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

डाला छठ 30

अगेती आलू में मिट्टी चढ़ाना एवं यूरिया का भुरकाव

31

देर से बोई गई मड़ुवा, मकई, मूंगफली की कटाई / खुदाई

1

मूँग एवं उड़द की कटाई

2 से 8 अक्टूबर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

महात्मा गाँधी जयंती 2

आगत आलू के लिए खेत तैयार कर बोआई

महा नवमी 3

आगत आलू के लिए खेत तैयार कर बोआई

दशहरा 4

सब्जियों में कीट प्रबंधन

5

गेहूँ के बीज का उपचार

6

असिंचित गेहूँ के लिए खेत तैयार और बोआई

7

धान में कीट नियंत्रण

8

सब्जी के खेतों में निकाई-गुड़ाई

9 से 15 अक्टूबर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

9

देर से लगे धान के खेतों के मेढ़ दुरूस्त

10

बैंगन, फूलगोभी, बंधागोभी के बिचड़े तैयार करें

11

धान में कीट नियंत्रण

12

आलू के लिए खेत जुताई

13

आलू की बोआई/खाद का प्रयोग

14

मकई की तोड़ाई एवं कटाई

15

कटे भुट्टों को धूप में सुखाना

16 से 22 अक्टूबर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

16

टाँड़ जमीन के धान परिपक्व अवस्था में

17

टाँड़ जमीन में धान की कटाई

18

तोरिया / सरसों की खेत की तैयारी एवं बोआई

19

सरसों एवं तोरिया की खेत की तैयारी एवं बुआई

20

तीसी के लिए खेत तैयार एवं बोआई

21

धान में भूरा फुदका की संभावना

22

धान में जीवाणु पर्ण अंगमारी की संभावना

23 से 29 अक्टूबर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

23

मकई, मड़ुवा, मूंगफली की कटाई / खुदाई

दीपावली 24

देर से रोपे धान के मेढ़ दुरूस्त करें

25

असिंचित गेहूँ के लिए खेत तैयार और बोआई

26

असिंचित गेहूँ के लिए खेत तैयार और बोआई

27

अरहर में पत्ते खाने वाले कीटों की संभावना

28

अगात मटर में निकाई-गुड़ाई

29

आलू के लिए खेत की तैयारी एवं बुआई

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- हवा में अत्यधिक नमी रहने पर धान में भूरा फूदका कीट के साथ-साथ जीवाणु पर्ण अंगमारी एवं जीवाणु पर्ण रेखा बीमारी की संभावना अधिक होती है। इसकी रोकथाम के लिए :
  - ☞ **भूरा फूदका :** छोटे-छोटे कीड़े भूरे रंग के होते हैं जो तना से रस चूसते हैं, जिससे पत्तियाँ सूखी व भूरी हो जाती हैं। इसकी रोकथाम के लिए बुपरोफेजिन 25 प्रतिशत एस० सी० 1 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोलकर फसल के जड़ के ऊपर तने पर छिड़काव करें।
  - ☞ **जीवाणु पर्ण अंगमारी :** इस रोग के आक्रमण से पत्तियों में पीले या पुआल रंग के लहरदार धब्बे पत्ती के किनारे के सिरे से प्रारंभ होकर नीचे की ओर बढ़ने लगता है एवं बाद में पत्तियाँ सूख जाती हैं। इसके निदान के लिए फसल में जीवाणुनाशी दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का छिड़काव 1.00 – 1.50 मि०ली० प्रति लीटर पानी में मिला कर करें।
  - ☞ **जीवाणु पर्ण रेखा :** इस रोग से पत्तियों में नारंगी कत्थई रंग की धरियों से घिर जाती हैं तथा कई धरियाँ आपस में मिलकर बड़े धब्बे का रूप ले लेती हैं। इसके निदान के लिए फसल में जीवाणुनाशी दवा स्ट्रेप्टोसाइक्लिन का छिड़काव 1-1.5 मि०ली० प्रति लीटर पानी में मिला कर करें।
- जिन किसान भाइयों के पास कम से कम 3 से 4 सिंचाई की सुविधा हो वे आलू एवं हरे मटर की खेती करें।
- जिन किसान भाईयों के पास 2-3 सिंचाई की सुविधा हो वे चना, मसूर, मटर, तीसी, सरसों, तोरिया, असिंचित गेहूँ की खेती करें।

फसल चयन व खेती की अन्य आवश्यक जानकारी। अब है, कृषि विज्ञान केन्द्र व आत्मा से संपर्क की बारी।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

नवम्बर – 2022

(कार्तिक – अगहन) रबी खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 5 नवम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

विभिन्न रबी फसलों की बुआई के लिए खेत की तैयारी

2

चना, मटर, तीसी, सरसों, आलू, असिंचित गेहूँ आदि की बुआई

3

दलहनी फसल बीज को राइजोबियम कल्चर से उपचारित

4

मध्यम जमीन पर रोपा गया धान पक कर तैयार

5

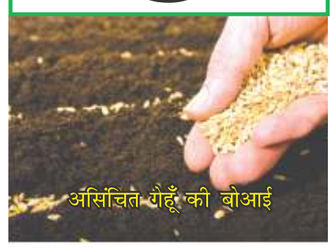

असिंचित गेहूँ की बोआई

6 से 12 नवम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

6

आलू एवं हरा मटर का खेत तैयार करना

गुरु नानक जयंती **7**

मसूर की बोआई

8

मटर की बोआई

9

असिंचित जौ की बोआई

10

तीसी का खेत तैयार और बोआई

11

मध्यम जमीन पर रोपा धान की कटाई

12

प्याज का बिचड़ा तैयार करना

13 से 19 नवम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

13

आगत आलू में मिट्टी चढ़ाकर यूरिया का भुरकाव

14

बैंगन, फूलगोभी, बंधागोभी में कीट नियंत्रण

15

अगात मटर में निकाई–गुड़ाई एवं सिंचाई

16

धान की कटाई

17

गेहूँ की बोआई

18

अरहर फूलावस्था में

19

सब्जियों में कीट नियंत्रण

20 से 26 नवम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

20

मसूर की बोआई

21

मटर की बोआई

22

नवजात मेमनों को ठंडेक से बचाव

23

बैंगन, फूलगोभी, टमाटर, फ्रेंचबीन लगाना

24

आलू में अगेती अंगमारी से बचाव

25

अदरक कंद बढ़ाने की अवस्था

26

मटर में निकाई–गुड़ाई

27 से 30 नवम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

27

आलू में सिंचाई

28

सब्जियों के लिए कीटनाशक एवं फफूँदनाशी की व्यवस्था

29

निचली जमीन में धान तैयार

30

निचली जमीन की धान की कटाई

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- दलहनी फसल की बुआई से पहले बीज को राजोबियम कल्चर (जो एक जीवाणु खाद है) से अवश्य उपचारित करें।
- तोरी/सरसों में लाही के प्रकोप से बचाव हेतु रोगर 2 मि०ली० या मोनोक्रोटोफॉस 36 ई. सी. 1 मि०ली० प्रति लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें।
- आलू में अगेती तथा पछेती अंगमारी से बचाव के लिए 1.5 ग्राम क्रिलेक्सील या रिडोमिल एम जेड 1 मि०ली० प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- गेहूँ के फसल में खर-पतवार नियंत्रण हेतु बोआई के 25 से 30 दिनों बाद खर-पतवारनाशी दवा आइसोप्रोव्युरोन (0.30 कि०ग्रा०) एवं 2,4-डी (0.20 कि०ग्रा०) को 240 लीटर पानी में घोलकर प्रति एकड़ की दर से छिड़काव करें।
- आलू को काट कर लगाने पर तीन स्वस्थ आँख वाले टुकड़े को 3 ग्राम डायथेन एम 45 या 1.5 ग्राम क्रिलेक्सील प्रति लीटर पानी की दर से घोल में 20 मिनट तक उपचारित कर छाया में सुखा कर 24 घंटे के अंदर बुआई करें। कंद बुआई के बाद खेत में जल का जमाव न होनें दें।

सर्दी के आगाज से, नये आलु के स्वाद से, अब गेहूँ बोना है। और किसान भाईयों को खुश होना है।।

वर्ष **2021-22** में जिला उद्यान कार्यालय, पश्चिमी सिंहभूम, चाईबासा द्वारा प्रकाशित

दिसम्बर – 2022

(अगहन – पौष) रबी खेती परामर्श

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग, झारखण्ड, राँची

रविवार	सोमवार	मंगलवार	बुधवार	गुरुवार	शुक्रवार	शनिवार

1 से 3 दिसम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

1

निचली जमीन में रोपा धान तैयार/सुविधानुसार कटाई

2

गेहूँ में निकाई-गुड़ाई

3

गेहूँ में सिंचाई/यूरिया का भुरकाव

4 से 10 दिसम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

4

आलू में मिट्टी चढ़ाना/एवं यूरिया का भुरकाव

5

धान के बाद खाली हुए खेतों में आलू अथवा गेहूँ की बुआई के लिए खेत

6

लम्बी अवधि धान की कटाई तथा दौनी

7

प्याज के लिए खेत तैयार करें

8

अगात मटर में चूर्णिल फफूंदी रोग का आक्रमण

9

गेहूँ एवं आलू की बुआई हेतु अंतिम पड़ाव

10

प्याज एवं गोभी की बुआई एवं पौधशाला हेतु कार्य

11 से 17 दिसम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

11

दलहनी एवं तेलहनी फसलों में आवश्यकतानुसार निकाई-गुड़ाई

12

सरसों एवं तोरिया में लाही का प्रकोप की संभावना

13

अरहर में फली छेदक कीड़ों के आक्रमण की संभावना

14

20-25 दिन पहले बोए गए गेहूँ में निकाई-गुड़ाई

15

20-25 दिन पहले बोए गए गेहूँ में यूरिया का भुरकाव

16

पत्तागोभी एवं फूलगोभी में दवा का छिड़काव

17

टमाटर एवं बैंगन में मुझा रोग की संभावना

18 से 24 दिसम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

18

समय से बोए गए गेहूँ में कल्ले निकलने की अवस्था

19

गाय/बैल में एफ॰एम॰डी॰ (चपका रोग) से बचाव

20

प्याज एवं गोभी की बुआई

21

आलू में अगात एवं पिछात अंगमारी की संभावना

22

आलू में अगात एवं पिछात अंगमारी की संभावना

23

मटर में निकाई-गुड़ाई एवं हल्की सिंचाई

24

गेहूँ में कल्ले निकलने की अवस्था

25 से 31 दिसम्बर तक खेती में किए जाने वाले कार्य

क्रिसमस / बड़ा दिन **25**

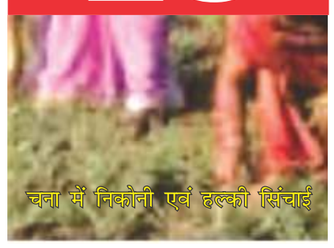
चना में निकोनी एवं हल्की सिंचाई

26

गेहूँ में खर-पतवार नियंत्रण

27

गेहूँ में निकाई-गुड़ाई एवं यूरिया का भुरकाव

28

आलू में अगेती तथा पछेती अंगमारी से बचाव

29

नवजात पशुओं को ठंड से बचाव

30

गरमा धान के लिए बीजों का संग्रहण

31

खड़ी सब्जियों एवं फसलों में कीट प्रबंधन

अन्य उपयोगी जानकारियाँ

- फसलों को न्यूनतम तापमान के प्रतिकूल असर से बचाने के लिए मिट्टी में नमी की कमी नहीं होने दें।
- आलू की फसल को झुलसा रोग से बचाने के लिए मैंकोजेन (2.5 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से), साफ (2 ग्राम प्रति लीटर पानी के दर से) दवा का छिड़काव करें।
- सरसों एवं तोरिया में लाही के प्रकोप से रोकथाम के लिए मोनोक्रोटोफॉस (2 मि०ली० प्रति लीटर पानी) या इमिडाक्लोरप्रिड (1 मि०ली० प्रति लीटर पानी) दवा का छिड़काव करें।
- अगात मटर में चूर्णिल फफूँदी (पाउडरी मिल्डयु) रोग के रोकथाम के लिए कैराथेन दवा (1 मि०ली० प्रति लीटर पानी) या सल्फेक्स दवा (3 ग्राम प्रति लीटर पानी) का छिड़काव करें।
- अरहर में फली छेदक कीड़ों के रोकथाम के लिए इनडोक्साकार्ब दवा 0.5 मिली लीटर प्रति लीटर पानी की दर से छिड़काव करें।
- आलू की फसल में अंगमारी (ब्लाइंट) रोग के लिए सुरक्षात्मक उपाय अपनाते हुए अपने खेतों में नियमित रूप से सिंचाई करते रहें एवं खेत के आसपास धुआँ करें। अगर संभव हो तो फफूँदीनाशी दवा का छिड़काव करें।
- सब्जी की फसल को सफेद मक्खी, लीफ हॉपर से बचाने हेतु कुंग-फूँ 2 ग्राम प्रति लीटर पानी में घोल बना कर 10 दिनों के अंतराल पर दो बार छिड़काव करें।

ज्यादा सर्दी से फसल नुकसान के पहले दिमाग चलाओ। किसान कॉल सेंटर में फोन लगाओ।।